Shyama Prasad Mukherji College
LIBRARY
New Delhi

(3)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3680 **E**

Unique Paper Code	: 12051201
Name of the Paper	: Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadikal Aur Madhyakal)
Name of the Course	: **B.A. (H) Hindi - CBCS**
Semester	: II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. साहित्येतिहास-लेखन में कालविभाजन एवं नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए । (14)

अथवा

हिन्दी-साहित्येतिहास-लेखन की परम्परा का परिचय दीजिए ।

P.T.O.

2. आदिकालीन लौकिक साहित्य का परिचय दीजिए । (14)

अथवा

आदिकाल के राजनीतिक - सामाजिक एवं सांस्कृति परिवेश पर प्रकाश डालिए ।

3. भक्ति - आन्दोलन के अखिल भारतीय स्वरूप का विश्लेषण करीजिए ।

अथवा

भक्तिकाव्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए । (14)

4. रीतिकाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए । (14)

अथवा

रीतिकाल की युगीन पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए ।

5. (क) किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए । (6,6)

(i) नाथ - साहित्य

(ii) सन्त - साहित्य

(iii) प्रेममार्गी सूफी - साहित्य

(iv) रीतिबद्ध काव्य

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए । (7)

(i) रीतिकालीन नीतिकाव्य

(ii) सिद्ध - काव्य

(200)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : **3835** **E**

Unique Paper Code : 12051202

Name of the Paper : हिन्दी कविता (रीतिकालीन काव्य) Hindi Kavita (Reetikaleen Kavya)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours   Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. केशव रचित 'रामचन्द्रिका' के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

रहीम के दोहों का प्रतिपाद्य लिखिए । (12)

P.T.O.

2. बिहारी के काव्य में अभिव्यक्त शृंगार-भावना का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

बिहारी के काव्य-सौन्दर्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (12)

3. घनानंद के काव्य में अभिव्यक्त सौंदर्य-चेतना का विवेचन कीजिए।

अथवा

"घनानंद 'प्रेम की पीर' के गायक हैं।" स्पष्ट कीजिए। (12)

4. भूषण की काव्य-भाषा का विवेचन कीजिए।

अथवा

गिरिधर कविराय के काव्य में व्यंजित नैतिक आदर्शों पर प्रकाश डालिए। (12)

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) राजत रंच न दोष युत कविता बनिता मित्र।
बुंदक हाला परत ज्यौं गंगाघट अपवित्र।

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साथे मौन।
अब दादुर बक्ताभए, हमको पूछत कौन।
रहिमन प्रीति न कीजिए, जस खीरा ने कीन।
ऊपर से तो दिल मिला, भीतर फाँके तीन।। (8)

(ख) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोई।

जा तन की झाँई परैं, स्यामु हरित-दुति होई।

रनितभृंग-घंटावली, झरित दान मधु-नीरु।

मंद-मंद आवतु चल्यौ, कुंजरु कुञ्ज-समीरु।

अथवा

रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै।

त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी अघानि कहूँ नहिं आन तिहारियै।

एक ही जीवन हुतौ सु तौ बारयौ सुजान संकोच और सोच सहारियै।

रोकी रहै न दुई घनआनंद बावरी रीझ् के हाथ निहारियै।

(7)

7. दिये गये निर्देशों के आधार पर किन्हीं **दो** अवतरणों का रचना-कौशल (लगभग 150 शब्दों में) उद्घाटित कीजिए :

(क) घाम घरीक निवारियै, कलित ललित अलि-पुंज।

जमुना-तीर तमाल-तरु-मिलित मालती-कुंज।।

उन हरकी हँसी कै, इतैंडन सौंपि मुसकाइ।

नैन मिलैं मन मिलि गए दोऊ, मिलवत गाइ।।

(भाव-सौंदर्य)

(ख) इंद्र जिम जंभ पर, बाड़व स अंभ पर, रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन बारिबाह पर, संभु रतिनाह पर, ज्यौं सहस्त्रबाहु पर राम द्विजराज है।
दावा द्रुमदंड पर चीता मृग झुंड पर भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम-अंस पर कान्ह जिम कंस पर, यौं मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है। (शिल्प-सौंदर्य)

(ग) साईं बैर न कीजिए, गुरु, पंडित, कवि, यार
बेटा, बनिता, पँवरिया, यज्ञ करावन हार
यज्ञ करावन हार, राजमंत्री जो होई
विप्र, परोसी, वैद, आपको तपै रसोई
कह गिरिधर कविराय, युगनते यह चलि आई
इन तेरह सों तरह दिए, बनिआबै साईं ॥ (नीति-सौंदर्य)

(घ) पहले अपनाय सुजान सनेह सों क्यों फिरि नेह कै तोरियै जू।
निरधार अधार है धार-मँझार दई गहि बाँह न बोरियै जू।
घनआनंद आपने चातिक कों गुन-बांधिलैं मोह न छोरियै जू।
रस प्याय कै ज्याय बढ़ाय कै आस बिसास मैं यौं बिष घोरियै जू ॥
(रस-व्यंजना)
(6 + 6 = 12)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..........6.018

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3563 **E**

Unique Paper Code : 12053406

Name of the Paper : Bhasha Dakshta : Samajh aur Sambhashan

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भाषायी दक्षता का अर्थ स्पष्ट करते हुए पठन और लेखन दक्षता की प्रक्रिया को समझाइये ।

अथवा

भाषायी दक्षता का अभिप्राय बताते हुए वाचन कौशल का सोदाहरण परिचय दीजिए । (12)

2. भाषायी दक्षता की समझ के विभिन्ध्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

अथवा

भाषिक संस्कृति के संदर्भ में शिक्षा और वर्ग की भूमिका निर्धारित कीजिए । (12)

3. भाषायी दक्षता के विकास में प्रभावी श्रवण और वाचन के विभिन्न आयामों का परिचय दीजिए ।

अथवा

भाषायी दक्षता की रणनीति के अंतर्गत आकलन और लक्ष्य निर्धारण के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिए । (12)

4. किसी एक टी.वी. धारावाहिक की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

भाषायी दक्षता में पललवन का महत्व बताते हुए 'नर हो न निराश करो मन को' विषय का पल्लवन कीजिए । (12)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :-

(क) भाषा और लिंग

(ख) किसी एक फिल्म की समीक्षा

(ग) वार्तालाप

(घ) तकनीकी शब्दावली

(ड) स्वाध्याय और उद्देश्य

(9×3=27)

1740 PW SEC

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3564 **E**

Unique Paper Code : 12053407

Name of the Paper : Bhasha Aur Samaj (SEC)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Hindi**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भाषा और समाज विज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

भाषा और समाज के बीच संबंध को सोदाहरण लिखिए।

2. बहुभषिकता को स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

P.T.O.

भाषा और जातीयता के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए।

3. भाषा और वर्ग का अंतर्संबंध स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

भाषाई अस्मिता क्या है? वह जेंडर से किस प्रकार संबंधित है?

4. भाषा सर्वेक्षण के स्वरूप और प्रविधि की विवेचना कीजिए। (15)

अथवा

भाषा नमूनों को स्पष्ट करते हुए उनका विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : (8,7)

(क) भाषा व्यवहार

(ख) भाषा और संस्कृति

(ग) भाषा के नवीन प्रयोग

(घ) भाषा और जाति

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3637 **E**

Unique Paper Code : 12051401

Name of the Paper : भारतीय काव्यशास्त्र

Name of the Course : **B.A. (Hon) Hindi (LOCF)**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त परिचय देते हुए आचार्य मम्मट के योगदान पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

काव्य हेतु से आप क्या समझते हैं? भारतीय आचार्यों द्वारा विवेचित काव्य हेतुओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

2. रस क्या है? रस के स्वरूप पर विचार कीजिये। (12)

अथवा

व्यंजना शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न प्रकारों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3. मुक्तक काव्य अथवा नाटक का तात्विक विवेचन कीजिये। (12)

4. (क) किन्हीं **तीन** अलंकारों के लक्षण-उदाहरण लिखिए - (9)

यमक	श्लेष	वक्रोक्ति
अतिशयोक्ति	व्यतिरिक	उत्प्रेक्षा

(ख) किन्हीं **तीन** छूंदों के लक्षण-उदाहरण लिखिए - (9)

शिखरिणी	शार्दूलविक्रीड़ित	घनाक्षरी
उल्लाला	सोरठा	कुण्डलिया

5. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7×3=21)

(क) आचार्य भरत मुनि

(ख) करुण रस .

(ग) माधुर्य गुण

(घ) काव्य प्रयोजन

(ङ) चम्पू काव्य

(4000)

(8)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3985 E

Unique Paper Code : 12051402

Name of the Paper : हिंदी कविता (छायावाद के बाद)

Name of the Course : **B. A (Hon) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (7.5×2=15)

(क) अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रोबीला चेहरा

आहिस्ते से बोला : हाँ सा'ब

लाख कहता हूँ नहीं मानती मुनिया

टाँगे हुए है कई दिनों से

P.T.O.

अपनी अमानत

यहाँ अब्बा की नजरों के सामने

मैं भी सोचता हूँ

क्या बिगाड़ती हैं चूड़ियाँ

किस जुर्म पे हटा दूँ इनको यहाँ से ?

अथवा

जैसे कोई बिजली कौंधा जाए

एक दबी हुई स्मृति

झकझोर जाती है मुझे

और मुझे लगता है कहीं मेरे भीतर भी है

एक पागल स्त्री

जो दरवाजों को पीटती

और दीवारों को खुरचती हुई

उसी तरह लगा रही है चक्कर

मेरे उपमहाद्वीप के विशाल नक्शे में

न जाने कब से।

(ख) हो गई है पीर पर्वत - सी पिघलनी चाहिए

इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए

आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी

शर्त थी लेकिन कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए

हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में

हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं

मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए

अथवा

यह गीत सुबह का है, गा कर देखें,

यह गीत गजब का है, ढा कर देखे,

यह गीत जरा सूने में लिखा था,

यह गीत वहाँ पूने में लिखा था।

यह गीत पहाड़ी पर चढ़ जाता है

यह गीत बढ़ाये से बढ़ जाता है

यह गीत भूख और प्यास भगाता है

जी, यह मसान में भूख जगाता है,

यह गीत भुवाली की है हवा हुज़ूर

यह गीत तपेदिक की है दवा हुज़ूर ।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए। (7.5×2=15)

(क) साँप !

तुम सभ्य तो हुए नहीं

नगर में बसना

भी तुम्हें नहीं आया।

एक बात पूछूँ- (उत्तर दोगे ?)

तब कैसे सीखा डँसना-

विष कहाँ पाया? (मूल संवेदना)

(ख) राष्ट्रगीत में भला कौन वह

भारत - भाग्य - विधाता है

फटा सुथन्ना पहने जिसका

गुन हरचरना गाता है। (व्यंग्यात्मक

(ग) और क्या जाने क्या

उसे दिख गया मेरे भीतर

कि हिल उठा वह

और पूरा का पूरा मैं गिर पड़ा नीचे

शर्मिंदा हूँ प्रभु

और इस घटना पर हिल रहा हूँ अब तक

पर कोई करे तो भी क्या

समय ही कुछ ऐसा है

किं पानी नदी में हो

या किसी चेहरे पर

ता)

झाँककर देखो तो तल में कचरा

कहीं दिख ही जाता है। (काव्य बिम्ब)

3. 'यह दीप अकेला' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'सिंदूर तिलकित भाल' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

4. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए। (15)

अथवा

हिंदी ग़ज़ल में दुष्यन्त कुमार का योगदान स्पष्ट कीजिए।

5. 'धार' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (15

अथवा

'गीत फ़रोश' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(50

(4)

[This question paper contains 4 printed pages.]

0 5 JUN 2023

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Your Roll No.............

Sr. No. of Question Paper : 4007 E

Unique Paper Code : 12051403

Name of the Paper : हिन्दी उपन्यास

Name of the Course : B.A. (H) Hindi

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (7 + 8 = 15)

(क) "मैं तो आपसे बार-बार कह चुका, आप मेरे लिए कुछ ना करें। मुझे धन की जरूरत नहीं। आपकी भी वृद्धावस्था है। शांत-चित्त होकर भगवत-भजन कीजिये। समरकान्त तीखे शब्दों में बोले "धन न रहेगा लाला, तो भीख मँगोगे। यों चैन से बैठकर चरखा ना चलाओगे। यह तो न होगा, मेरी कुछ मदद करो, पुरुषार्थहीन मनुष्यों की तरह कहने लगे, मुझे धन की जरूरत नहीं? कौन है जिसे धन की जरूरत नहीं? साधु-सन्यासी तक तो पैसों पर

P.T.O.

"मनुष्य स्वतंत्र विचारों वाला प्राणी होते हुए भी परिस्थितियों का दास है। और यह परिस्थिति-चक्र क्या है, पूर्वजन्म के कर्मों के फल का विधान है। मनुष्य की विजय वहीं संभव है, जहां वह परिस्थितियों के चक्र में पड़कर उसी के साथ चक्कर न खाए, वरन अपने कर्तव्याकर्तव्य का विचार रखते हुए उस पर विजय पावे"।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** उपन्यासकारों पर टिप्पणी लिखें: (7 + 8 = 15)

(क) लाला श्रीनिवास दास

(ख) प्रेमचंद

(ग) फणीश्वरनाथ रेणु

(घ) मन्नू भण्डारी

3. 'कर्मभूमि' उपन्यास के पात्र गांधीवादी विचारधारा से प्रभावित हैं – इस कथन की समीक्षा कीजिये। (15)

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर प्रेमचंद की भाषा शैली पर प्रकाश डालें?

4. भारतीय दर्शन वृतियों के दमन पर नहीं शमन पर आधारित है, इस कथन के आलोक में 'चित्रलेखा' उपन्यास की समीक्षा कीजिये। (15)

अथवा

'चित्रलेखा चरित्र-प्रधान उपन्यास है'- इस कथन के परिप्रेक्ष्य में चित्रलेखा का चरित्र-चित्रण कीजिये।

5. 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा-दृष्टि पर विचार करें। (15)

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास में वैवाहिक-संबंधों के बदलते मूल्यों को रेखांकित किया गया है- इस कथन की समीक्षा कीजिये।

B.A (H) Hindi

[This question paper contains 4 printed pages.]

0 5 JUN 2023

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY C New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3660

Unique Paper Code : 12051602

Name of the Paper : हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

Name of the Course : **B.A. (H) HINDI**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे   पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+7=15)

(क) मनुष्य व्यक्ति के चरित्र का विचार कई एक रीति से हो सकता है। और जिस रीति पर आरूढ़ हो इसकी मीमांसा कीजिये उस ढंग से वैसे विचार होंगे। चाहे मनुष्य के धर्म अथवा सच्चरित्र संबंधी गुणों का विचार कीजिए या चाहे इसी के निकट का कोई प्रश्न उठाकर उस पर कुंद शंका समाधान कीजिये अर्थात्

P.T.O.

सच्चरित्र से सामाजिक क्या लाभ है इन सब बातों के विचार से हमको इस लेख में कुछ प्रयोजन नहीं है किन्तु हमको यहाँ उस मुख्य बात से प्रयोजन है जौ इस प्रकार की मीमांसा के भी पूर्व विचार में आनी चाहिये और वह यह बात है कि जातियों का अनूठापन इस देश के इतिहास का फल है।

अथवा

अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है। अर्थ-परायण लाख कहा करें कि 'गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या फायदा' पर हृदय नहीं मानता; बार-बार अतीत की ओर जाया करता है। अपनी यह बुरी आदत नहीं छोड़ता। इसमें कुछ रहस्य अवश्य है। हृदय के लिए अतीत एक मुक्ति लोक है जहाँ वह अनेक प्रकार के बंधनों से छूटा रहता है और अपने शुद्ध रूप में विचरता है। वर्तमान हमें अंधा बनाये रहता है; अतीत बीच-बीच में हमारी आँखें खोलता रहता है।

(ख) भारत वर्ष बहुत बड़ा देश है। इसका इतिहास बहुत पुराना है। इस इतिहास का जितना अंश जाना जा सकता उसकी अपेक्षा जितना नहीं जाना जा सकता, वह और भी पुराना और महत्वपूर्ण है। न जाने किस अज्ञात काल से नाना जातियाँ आ-आकर इस देश में बसती रही है और इसके साधन को नाना भाव से मोड़ती रही हैं, नये रूप देती रही हैं और समृद्ध करती रही हैं। इस देश का सबसे पुराना उपलब्ध साहित्य आर्यों का है।

अथवा

अनुसरण मनुष्य की प्रकृति है। बालक प्रायः आरम्भ में सब कुछ अनुसरण से ही सीखता है, तत्पश्चात् अपने अनुभव के साँचे में ढालकर उसे अधिक से अधिक पूर्ण करने के प्रयास करता है परन्तु अनुभव के आधार से हीन अनुसरण सिखाए हुए पशु के अन्धानुसरण के समान है जो जीवन के गौरव को समूल नष्ट कर और मनुष्य को दयनीय बनाकर पशु की श्रेणी में बैठने के लिए बाध्य कर देता है।

2. 'मजदूरी' और 'प्रेम' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'अतीत की स्मृति' निबंध की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

3. 'तुम चंदन हम पानी' निबंध का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'हमारी शृंखला की कड़ियाँ' का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. 'अपनी खबर' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

'नए संघर्ष' का सार लिखिए।

5. 'अज्ञेय के साथ' की मूल संवेदना लिखिए। (15)

अथवा

सुभान खाँ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

[This question paper contains 8 printed pages.]

Syama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

0 3 JUN 2023

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3747 **E**

Unique Paper Code : 12057609

Name of the Paper : Bhartiya Sahitya : Pathparak Adhyayan (DSE)

Name of the Course : **B. A. (Hons) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिये (10×3= 30)

(क) व्याध से हत क्रौंच की

दयनीय स्थिति का ज्ञान,

P.T.O.

कर गया मुनि धर्मधन के

द्रवित आकुल प्राण!

देख कर तब विकल क्रौंची,

व्याध - चरित- अधर्म,

बह चली वाणी सहज

ले द्रवित उर का मर्म !

क्रौंच के उस मुग्ध जोड़े से

किया हत, एक,

तू ना पायेगा प्रतिष्ठा व्याध !

वर्ष अनेक।

अथवा

सामने हिल रही होंगी लटें

काजल के अभाव में आया होगा निखर रूखापन

भूल गयी होंगी भौंहें चलाना

...मुद्दत से मदिरा न पीने के कारण.

पाकर तुम्हें निकट, फड़क उठेगी ऊपर की ओर

मृगनयनी की आँखें

पाकर मछली की चाल हिल उठे जैसे नील कमल

वैसे ही लगेंगी उस वक़्त मेरी प्रेयसी की आँखें.

(ख) ऐसो रामराई अंतरजामी।

जैसे दरपन मांहि बदन परवानी।। रहाउ।।

बसै घटाघट लीपन छीपै । बंधान मुक्ता जात ना दीसै।।

पानी माहि देषु मुषु जैसा। नामे को सुआमी बीठलु ऐसा।।

अथवा

मेरी पलकें गिर गयी और इस तरह उस शुभ मुहूर्त की

कुछ कड़ियों में मैंने स्याही लगा दी !

स्पष्ट प्रकाशमान सूर्य - किरणों में भी

जहां-तहां मनुष्य लोक दाग लगा देता है.

हे सुन्दरी ! मेरा वह अपराध कृपया क्षमा कर दो

यही प्रार्थना करने के लिए मैं आया हूँ।''

उस समय आकाश में संध्या का एक स्वर्ण मेघ-खंड धीरे-धीरे जाकर एक शुभ्र मेघ में मिल गया।

(ग) महत्वाकांक्षा तो युवक का स्थायी भाव है। मैं महान बनूँगा। परिस्थिति के मस्तक पर पैर रख कर मैं उसको झुका दूंगा, यह विचारधारा ही तरुण को ऊंचा उठाती है। निर्भयता तरुण के जीवन-संगीत का सबसे ऊँचा स्वर है। इस स्वर की भग्न और बिखरी हुई ध्वनि है भय। फटे बांस की सी ध्वनि भी कभी-कभी किसी को अच्छी लगती है। जग ऊंचे स्वर की तान सुनने को उत्सुक होता है, फटी हुई आवाज नहीं। अभिमान है युवावस्था का आत्मा। जिस मनुष्य में श्रद्धा नहीं है वह मनुष्य नहीं है वह तरुण नहीं है। तरुण मनुष्य अपनी श्रद्धाओं पर सदैव अभिमान

करता है। समय आने पर उनके लिए प्राण तक देने को तैयार रहता है।

अथवा

इस लेखक के नम्र मतानुसार सर्वस्व समर्पण के निर्णय में उनकी भक्ति, विद्वता और संस्कारिता का त्रिवेणी संगम था। विवेकानंद पढ़ कर भी महादेव को आकर्षण तो रामकृष्ण परमहंस का ही था । गोधरा के 'बापजी' के भजन मंडल में अपनी सब पढाई भूल कर तन्मय हो पाते थे। कविता करने में भी ज्यादातर भजन ही लिखते थे। प्रेम उनकी प्रकृति का स्थायी भाव था । वही प्रेम भक्ति के स्वरूप में फूल उठा था।

2. 'राम काव्य का जन्म' कविता से सम्बंधित कथा - प्रसंगों के आधार पर वाल्मीकि की काव्य - चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कालिदास रचित 'उत्तर मेघ' में अभिव्यक्त विरह - भावना का विश्लेषण कीजिये। (15)

3. 'वेमना सामजिक विद्रोह के कवि हैं' पठित पदों के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिये।

अथवा

ललद्यद के वाखों में मौजूद भक्ति भावना का विवेचन कीजिये। (15)

4. स्वतन्त्रता का गान में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'मृत्युंजय' उपन्यास के कथानक की समीक्षा कीजिए। (15)

[This question paper contains 2 printed pages.]

0 5 JUN 2023

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherji College E LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3895

Unique Paper Code : 12057610

Name of the Paper : Shodh-Pravidhi (शोध-प्रविधि)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi - CBCS**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शोध के स्वरूप का विवेचन करते हुए शोध प्रविधि को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी में शोध के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालें। (15)

2. शोध में कल्पना और परिकल्पना के महत्व को रेखांकित कीजिए।

अथवा

मनोवैज्ञानिक शोध प्रद्त्ति का विश्लेषण कीजिए। (15)

P.T.O.

3. 'शोध के लिए विषय-चयन करते वक्त शोधार्थी को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? विवेचन कीजिए।

अथवा

शोध के निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए शोधार्थी को किन तथ्यों का ध्यान रखना चाहिए ? प्रकाश डालिए। (15)

4. अच्छे शोधार्थी में कौन-से गुण आवश्यक हैं और शोधार्थी को किन बातों से बचना चाहिए? विश्लेषण कीजिए।

अथवा

शोध-प्रक्रिया के दौरान शोधार्थी के समक्ष आने वाली समस्याओं का विस्तारपूर्वक विश्लेषण कीजिए। (15)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

(क) रूपरेखा-निर्धारण

(ख) शोध और तथ्य विश्लेषण

(ग) संदर्भ-ग्रंथ सूची

(घ) साहित्यिक शोध (8 + 7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

5 JUN 2023

Your Roll No...............

Syama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3896 **E**

Unique Paper Code : 12057611

Name of the Paper : **अवधारणात्मक साहित्यिक पद**

Name of the Course : **B.A. (HONS.) HINDI – DSE**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. शब्द शक्ति को परिभाषित करते हुए लक्षणा शब्द शक्ति को सोदाहरण समझाइए । (12)

अथवा

अलंकार के स्वरूप पर विचार करते हुए उपमा अलंकार को स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

2. साधारणीकरण के सिद्धांत पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

महाकाव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. यथार्थवाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए जादुई यथार्थवाद और यथार्थवाद में अन्तर बताइए। (12)

अथवा

स्वच्छंदतावाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएं बताइए।

4. कहानी की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

आधुनिकता की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (9×3=27)

(क) व्यंजना

(ख) रस-निष्पति

(ग) उत्तर संरचनावाद

(घ) विरेचन

(ङ) प्रतीक

(च) नाटक

(1000)

[This question paper contains 2 printed pages.]

5 JUN 2023

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3897 **E**

Unique Paper Code : 12057612

Name of the Paper : Hindi Rangmanch (DSE)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पारंपरिक रंगमंच से क्या अभिप्राय है? पारंपरिक रंगमंच की किसी एक शैली का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

प्राचीन भारतीय प्रदर्शन परम्परा और आधुनिक रंगमंच का अंतर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

2. पारसी थिएटर के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

हिन्दी रंगमंच के विकास में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का योगदान रेखांकित कीजिए।

3. आधुनिक हिंदी रंगमंच की एब्सर्ड शैली **अथवा** शैलीबद्ध नाट्य-शैली का उदाहरण सहित परिचय दीजिए। (15)

4. सत्यदेव दुबे अथवा श्यामानंद जालान के रंग व्यक्तित्व एवं रंगदृष्टि का मूल्यांकन कीजिए। (15)

5. निम्न में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) रासलीला

(ख) पांडवानी

(ग) रंगमंडल भारत भवन

(घ) भारतेंदु नाट्य अकादमी

(1000)